



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 580]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 26, 1984/अग्राहायण 5, 1906

No. 580]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 26, 1984/AGRAHAYANA 5, 1906

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय  
(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1984

का०आ० 882 (अ).—चीनी उपक्रम (प्रबन्धग्रहण) अध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उप-धारा (2) के खंड (ख) के अधीन उत्तर प्रदेश राज्य के मुरादाबाद जिले में राजा का सहसपुर स्थित चीनी का विनिर्माण करने वाली अयोध्या चीनी मिल का प्रबन्ध, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के आदेश सं० का०आ० 695(अ), 1 दिसम्बर, 1978 द्वारा, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) 2 दिसम्बर, 1978 को और से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित कर दिया गया था ;

और भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) के आदेश सं० का०आ० 859 (अ) तारीख 1 दिसम्बर, 1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया कि उक्त चीनी मिल का प्रबन्ध, 1 दिसम्बर, 1984 तक की,

जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन वर्ष की और अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित रहेगा ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त चीनी मिल का प्रबन्ध 31 मार्च 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित रहेगा ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार चीनी उपक्रम (प्रबन्धग्रहण) अधिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 3 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त चीनी मिल का प्रबन्ध, 31 मार्च, 1985 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित रहेगा ।

[फा०सं० 1-4/84 रा०ची०उ०]

एन०आर० बनर्जी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES  
(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 26th November, 1984

S.O. 882(E).—Whereas by the order of the Government of India in the erstwhile Ministry of

Agriculture and Irrigation (Department of Food), No. S.O. 695(E) dated the 1st December, 1978, (hereinafter referred as the said order) the management of the Ajudhia Sugar Mills manufacturing sugar at Raja-ka-Sahaspur in the District of Moradabad in the State of Uttar Pradesh was vested in the Central Government under clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), for a period of three years commencing on and from the 2nd day of December, 1978 ;

And whereas by the order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture (Department of Food), No. S.O. 859(E) dated the 1st December, 1981, the Central Government directed that the management of the said sugar mill would continue to vest in the Central Government

for a further period of three years up to and inclusive of the 1st December, 1984 ;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said sugar mill shall continue to vest in the Central Government for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby directs that the management of the said sugar shall continue to vest in the Central Government for a further period up to and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 1-4/84-NSU]  
N. R. BANERJI, Jt. Secy.